जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड

खनिज भवन, तिलग मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर – 302015

दूरभाष 0141–5192134

दिनांक 23.12.2014

प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर मेट्रो रेल मार्ग में पतंगबाजी जानलेवा

जयपुर मेट्रो रेल के मानसरोवर से चांदपोल मार्ग में रेल संचालन का कार्य 25000 वोल्ट बिजली के तारों द्वारा किया जाता है, जिनमें लगातार चौबीसों घंटे करंट का प्रवाह रहता है। यह बिजली के तार मेट्रो रूट पर रोड़ से करीब 30 मीटर ऊंचाई पर है। मकर संक्रान्ति के समय एवं इसके पहले एवं बाद में भी यदि पतंग की डोर किसी कारण से इन बिजली के तारों में उलझ जाती है तो करंट इस डोरी के द्वारा सीधे ही पतंग उड़ाने वाले तक पहुंच कर उसके लिए खतरनाक व जानलेवा साबित हो सकता है। पूर्व में भारतीय रेलवे के बिजलीकृत रेल खंडो एवं दिल्ली मेट्रो रूट में भी पतंगबाजी के कारण इस तरह की दुर्घटनाऐं हो चुकी है।

जेएमआरसी के सीएमडी निहाल चंद गोयल ने सभी नागरिकों को निवेदन करते हुए सजग किया है कि मेट्रो रेल मार्ग के ऊपर पतंगबाजी से परहेज करें। इससे उनके जीवन का नुकसान रोकने के साथ ही पतंग व उसकी डोर के उलझने के कारण मेट्रो रेल संचालन भी प्रभावित नहीं होगा।

सी.एस. जीनगर
निदेशक (परिचालन एवं प्रणाली)